तीन दिवसीय कृषक उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम सारणी

प्रशिक्षण उद्देश्य: 1. महिला कृषको को उद्यमिता विकास मॉडल से परिचित करवाना तथा उन्हें प्रदेश की अर्थव्यवस्था के विकास की मुख्य धारा से जोड़ना।
2. खेती के नए क्षेत्रो से परिचित करवाना तथा शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर पूर्ण आत्मनिर्भर बनने हेतु संस्थागत व्यवस्था का सृजन करना।
प्रशिक्षण अवधि : तीन दिन प्रातः 10 बजे से साय 5 बजे तक

क्रम संख्या	दिवस एवं दिनांक	समय	विषय	सन्दर्भ व्यक्ति
1	प्रथम दिवस (प्रथम सत्र)	10:00 से 10:30 10:30 से 10:35 10:35 से 11:00 11:00 से 11:15 11:15 से 12:00	स्वागत, पंजीकरण एवं परिचय प्रार्थना कार्यक्रम उद्घाटन एवं मुख्य अतिथि उद्बोधन चाय अवकाश ग्रामीण अंचल में महिला कृषक उद्यमिता विकास मॉडल	समन्वयक
2	द्वितीय सत्र	12:00 से 01:30	उद्यमिता: अर्थ, महिला उद्यमिता, महत्व, उद्यमी के गुण तथा कृषक उद्यमिता विकास हेतु विभिन्न शासकीय योजनाओं के बारे में जागरूकता।	विषय विशेषज्ञ
		01:30 से 02:15	**भोजनावकाश**	
3	तृतीय सत्र	02:15 से 05:00	मोरेंगा या सहजन: औषधीय महत्व, उपयोग, लाभ	विषय विशेषज्ञ
धन्यवाद एवं सत्र समापन				
4	द्वितीय दिवस चतुर्थ सत्र	10:00 से 10:30	प्रार्थना एवं प्रथम दिवस का पुनरवलोकन	समन्वयक
5	पंचम सत्र	10:30 से 01:30 (चाय अवकाश सहित)	गोबर: महत्व, उत्पाद, बिज़नेस आईडिया (थ्योरी एवं प्रैक्टिकल)	विषय विशेषज्ञ
		01:30 से 02:15	**भोजनावकाश**	
6	षष्टम सत्र	02:15 से 05:00	मोरेंगा या सहजन नर्सरी तथा उसके	विषय विशेषज्ञ

			कृषिकरण एवं अन्य मौसमी सब्जियों/फलों की पौधशाला तथा उसके कृषिकरण: अर्थ, महत्व, बिज़नस आईडिया, लाभ (थ्योरी एवं प्रैक्टिकल)	
धन्यवाद एवं सत्र समापन				
7	तृतीय दिवस सातवाँ सत्र	10:00 से 10:30	प्रार्थना एवं प्रथम दिवस का पुनरवलोकन	समन्वयक
8	आठवा सत्र	10:30 से 01:30 (चाय अवकाश सहित)	बांस की खेती: अर्थ, संकल्पना, बिज़नस आईडिया, लाभ (थ्योरी एवं प्रैक्टिकल)	विषय विशेषज्ञ
		01:30 से 02:15	**भोजनावकाश**	
9	नवां सत्र	02:15 से 05:00	मशरुम की खेती: अर्थ, संकल्पना, बिज़नस आईडिया, लाभ (थ्योरी एवं प्रैक्टिकल)	
10	दसवा सत्र	05:00 से 05:30	**प्रतिभागियों का धन्यवाद, प्रशिक्षण समापन, सर्टिफिकेट वितरण**	मुख्य अतिथि